Roll No. ________ **Code No. PA-004**

SECOND SEMESTER EXAMINATION 2021-22

Class - B.A.

Subject - Sanskrit

Time : 2.30 Hrs. **Max. Marks : 80**

Total No. of Printed Page : 03 **Mini. Marks : 28**

---

ukV % i'u i= rhu [k.Mk e foHkDr g A lHkh rhu [k.Mk d i'u fun'kkuqlkj gy dhft,A vdk dk foHkktu iR;d [k.M e fn;k x;k gA

[k.M & ^v*

vfry?kqmRrjh; i'u &

प्र.1 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिये – 5x2=10

(i) शुकनास कौन है ?

(ii) चण्डीशतकम् किसकी रचना है ?

(iii) लतेव विटपकानध्यारोहति किसके बारे में कहा गया है ?

(iv) शूरं .... परिहरति ! रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये।

(v) स्वप्नवासवदत्तम् के विदूषक का नाम लिखिए।

(vi) वेदों की संख्या कितनी है ?

(vii) पुराणों के रचयिता कौन है ?

(viii) उत्तर रामचरितम् किसकी रचना है ?

[k.M & ^c*

y?kqmRrjh; i'u &

प्र.2 सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये – 4x5=20

(i) शुकनासोपदेश के अनुसार गुरूपदेश स्पष्ट कीजिये।

(ii) राजा सुदर्शन द्वारा सुने गए दोनों श्लोक स्पष्ट कीजिये।

(iii) ब्राहमण ग्रंथों पर प्रकाश डालिए ।

(iv) हितोपदेश के अनुसार विद्या पर 5 वाक्य लिखिए।

(v) महाकवि माद्य का परिचय दीजिये।

[k.M & ^l*

nh?kqmRrjh; i'u@fuca/kkRed i'u 5x10=50

प्र.3 सप्रसंग व्याख्या कीजिये –

(अ) यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजल प्रक्षालननिर्म्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः । अनुन्झित ध्वलताऽपि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः । अपहरति च वात्येव शुष्कपत्रं समुद्भूत रजो भ्रान्तिरतिदूरम् आत्मेच्छया यौवन समये पुरूषं प्रकृतिः ।

(ब) आलोकमतु तावत् कल्याणाभिनिवेशो लक्ष्मीमेव प्रथमम् । इयं हि सुभट खड्ग मण्डलोत्पल वन विभ्रमनगरी लक्ष्मीः क्षीर सागरात्, पारिजात पल्लवेम्यो रागम्, इन्दुशकलादेकान्त वक्रताम्, उच्चैश्रवशश्चन्चलाताम्, कालकूटान्मोहनशक्तिः, मदिरायाः मदम्, कौस्तुभमणे– रतिनैष्ठुर्यम्, इत्येतानि सहवास परिचय वशाद्विरह विनोद चिह्नानि गृहित्वेवोद्गता ।

प्र.4 किन्हीं दो पद्यों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिये –

(क) यन्नवेः भाजने लग्नः संस्कारो नान्यथा भवेत् ।
कथाच्छलेन बालानां नीतिस्तदिह कथ्यते ।।

(ख) उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः ।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः ।।

(ग) लोभात्क्रोधः प्रभवति लोभात्कामः प्रजायते ।
लोभान्मोहश्च नाशश्च लोभः पापस्य कारणम्।।

प्र.5 कथा साहित्य पर निबंध लिखिए।

अथवा

ग्रध्र और मार्जार की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

प्र.6 ऋग्वेद के महत्व पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

श्रीमद् भागवत महापुराण का परिचय दीजिये।

प्र.7 महाकवि शूद्रकं अथवा महाकवि विशाखदत्त का विस्तारपूर्वक परिचय दीजिये।

––00––